

L/Sem II/116

**LL.M.(General) (Semester II)
Examination, 2015-16**

Law

Group H: Business Administration

Paper : LLMH - 453 (Paper III)

Law Relating to Multinational Corporation

Time : Three Hours

Full Marks : 70

*(Write your Roll No. at the top immediately on the
receipt of this question paper)*

Note: Answer any **four** questions. **All** question
carry equal marks.

किसी चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के
अंक समान हैं।

1. The multinational corporations are "corporations...which have their home in one country but which operate and live under the laws and customs of other countries as well".

Critically examine the above definition of a multinational corporation. Whether this definition is broad enough to include all principal types of MNCs?

P.T.O.

बहुराष्ट्रीय निगम ऐसे निगम होते हैं जिनका गृह एक देश में होता है लेकिन वे दूसरे देशों की विधियों एवं रुद्धियों के द्वारा संचालित होते हैं।

बहुराष्ट्रीय निगम की उपर्युक्त परिभाषा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। क्या यह परिभाषा इतनी बहुद है कि वह बहुराष्ट्रीय निगमों के सभी प्रमुख प्रकारों को अपने में समेट सकें ?

2. "The most commonly held image of a multinational enterprise (MNE) is that of a closely controlled group of companies linked by shares held by the parent company and its intermediate holding companies." Comment.

"बहुराष्ट्रीय उद्यम का आशय समान्यतया एक ऐसे अति नियंत्रित कम्पनियों के समूह से लगाया जाता है जो कि आपस में अंशों द्वारा जुड़ी होती हैं जो पितृ कम्पनी और उसकी मध्यवर्ती होल्डिंग कम्पनियों द्वारा धारित होते हैं।"

टिप्पणी कीजिए।

3. The existing provisions of the Income Tax Act relating to certain categories of income deemed to accrue or arise in India are inadequate to bring a kind of indirect transfer as involved in Vodafone case within domestic tax jurisdiction. Comment. Whether changes proposed under the Draft DTC Bill are helpful in this regard?

आयकर अधिनियम के विद्यमान उपबन्ध जो कतिपय श्रेणी की आय को भारत में उद्भुत और अर्जित माने जाने से सम्बन्धित हैं वे वोडाफोन मामले में सम्मिलित अप्रत्यक्ष प्रकार के अन्तरण को घरेलू कर क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत लाने के लिए अपर्याप्त हैं। टिप्पणी कीजिए। क्या प्रारूप प्रत्यक्ष कर संहिता विधेयक में प्रस्तावित परिवर्तन इस सम्बन्ध में मददगार हैं?

4. Discuss the principal regulatory approaches to address the international transfer pricing problem. Also examine the effectiveness of the Indian laws in this regards.

अन्तर्राष्ट्रीय कीमत अन्तरण की समस्या को हल करने में मुख्य विनयमनकारी दृष्टिकोणों की विवेचना कीजिए। इस सम्बन्ध में भारतीय विधियों की प्रभावकारिता का भी परीक्षण कीजिए।

5. Critically examine the provisions of the relevant FEMA Regulations concerning acquisition and transfer of immovable property in India by a person resident outside India and a person of Indian origin. How far these Regulations are helpful in meeting the objectives of FEMA ?

विदेशी मुद्रा प्रबन्ध अधिनियम के अन्तर्गत सुसंगत विनियम जो भारत के बाहर निवास करने वाले व्यक्ति और भारतीय मूल के व्यक्ति द्वारा भारत में स्थित अचल संपत्ति के अर्जन और अन्तरण से सम्बन्धित हैं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। ये विनियम विदेशी मुद्रा प्रबन्ध अधिनियम के उद्देश्यों की पूर्ति में कहाँ तक सहायक हैं ?

6. Critically examine the salient features of the foreign direct investment related Regulations under the Foreign Exchange Management Act (FEMA) as updated from time to time. How far these provisions are helpful in achieving the objectives of the FEMA?

विदेशी मुद्रा प्रबन्ध अधिनियम के अन्तर्गत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश से सम्बन्धित और समय समय पर संशोधित विनायमों की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। ये प्रावधान विदेशी मुद्रा प्रबन्ध अधिनियम के उद्देश्यों की पूर्ति में कहाँ तक सहायक हैं?

7. Critically examine the provisions of the Companies Act related to Companies incorporated outside India. What are the effects of non-compliance with these provisions?

कम्पनी अधिनियम के उपबन्ध जो भारत से बाहर निर्गमित कम्पनियों से सम्बन्धित हैं उनका आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इन प्रावधान के पालन न करने का क्या प्रभाव होता है?

8. Write short notes on any **two** of the following:
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां कीजिए:

(a) Joint venture

संयुक्त उद्यम

(b) International double taxation

अन्तर्राष्ट्रीय दोहरा कराधान

(c) Tax avoidance and tax evasion

कर अपवर्जन एवं कर अपवंचन

400

Printed Pages :
.....

Roll No.....

L/Sem II/114

**LL.M. (General) (Semester II)
Examination, 2015-16**

Law

(Group H : Business Administration)

Paper : LLMH-451 : (Paper-1)

Business Organisation

Time : Three Hours

Full Marks : 70

*(Write your Roll No. at the top immediately on the
receipt of this question paper)*

Note: Answer any **four** questions. **All** questions
carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के
अंक समान हैं।

- 1.** "Incorporation of business in the form of a company offers certain advantages to the business as compared with other kinds of business organisations". Discuss this statement in light of Section 9 of the Companies Act, 2013 and relevant judicial pronouncements.

P.T.O.

“कम्पनी के रूप में व्यवसाय का निगमन अन्य व्यावसायिक संगठनाकं के प्रकारों की तुलना में व्यवसाय को कतिपय लाभ प्रदान करता है।” कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 9 एवं सुसंगत न्यायिक निर्णयों के आलोक में इस कथन की विवेचना कीजिए।

2. Like many other legislations, origin and development of company legislation in India has also been on the pattern of English company legislations. Comment and give a brief account of the development of company legislations in England and India.

अन्य कई विधायनों की भाँति भारत में कम्पनी विधायन की भी उत्पत्ति एवं विकास अंग्रेजी कम्पनी विधायनों के नमूने पर हुआ है। टिप्पणी कीजिए तथा इंग्लैण्ड एवं भारत में कम्पनी विधायनों के विकास का एक संक्षिप्त विवरण दीजिए।

3. "There are certain circumstances in which the legislature and to a certain extent, the courts have allowed to lift the veil of corporation, but in general it as opaque and impassable as an iron curtain." Comment.

“कुछ परिस्थितियाँ हैं जिनमें विधायिका तथा कुछ सीमा तक न्यायालयों ने निगम के आवरण को उठाने की अनुमति प्रदान की है, परन्तु सामान्यतया यह आवरण उतना ही अपारदर्शी एवं अगम्य है जितना कि लोहे का पर्दा”। टिप्पणी कीजिए।

4. "The promoters occupy an important position and have wide powers relating to the formation of a company . It is however, interesting to note that so far as the legal position is concerned, he is neither an agent nor a trustee of the proposed company," comment and state the duties and liabilities of promoters referring to relevant case laws.

“सम्प्रवर्तकों की एक महत्वपूर्ण स्थिति होती है तथा उनके पास कम्पनी के निर्माण से सम्बन्धित व्यापक शक्तियाँ होती हैं। परन्तु यह टिप्पणी रोचक है कि जहाँ तक उनकी विधिक स्थिति का प्रश्न है वह प्रस्तावित कम्पनी का न तो अधिकर्ता होता है तथा न ही एक न्यासी। ” टिप्पणी कीजिए तथा सम्बन्धित वाद विधियों को सन्दर्भित करते हुए सम्प्रवर्तकों के कर्तव्यों एवं दायित्वों को बताये।

5. (a) "A company, being a legal person, must have a name to establish its identity. Any suitable name may be selected subject however, to certain restrictions." Discuss this statement and state how a company can change its name ?

“कम्पनी एक विधिक व्यक्ति होने के कारण इसकी पहचान हेतु इसका एक नाम होना चाहिए। कुछ निर्बन्धनों के अध्यधीन रहते हुए कोई भी उपयुक्त नाम चुना जा सकता है।” इस कथन की विवेचना कीजिए तथा बताइए कि कैसे कम्पनी अपने नाम का परिवर्तन कर सकती है ?

- (b) What is the importance of “Registered office” of a company? How the Registered office of a company can be changed from one place to another place ?

कम्पनी के ‘पंजीकृत कार्यालय’ का क्या महत्व है? कैसे कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय को एक स्थान से दूसरे स्थान पर परिवर्तित किया जा सकता है ?

- 6.** What do you mean by share capital of a company ? State the various types of shares which can be issued by a registered company under the companies Act 2013 and also explain the characteristics of those shares.

कम्पनी के अंश पूँजी से आप क्या समझते हैं? अंशों के विभिन्न प्रकारों को बताइए जो कम्पनी अधिनियम 2013 के अन्तर्गत एक पंजीकृत कम्पनी द्वारा निर्गमित किये जा सकते हैं” तथा उन अंशों के लक्षणों की व्याख्या कीजिए।

- 7.** Do you agree with the view that doctrine of ‘ultra vires’ has given protection to the shareholders and the company at the cost of those dealing with the company? Give reasons with suitable illustrations. What changes would you like to suggest in company law in this regard?

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि ‘अधिकारातीत’ का सिद्धान्त कम्पनी के साथ संव्यवहार करने वाले व्यक्तियों की कीमत पर कम्पनी तथा अंशधारकों को सुरक्षा प्रदान करती है? समुचित उदाहरणों के साथ तर्क दीजिए। इस सन्दर्भ में आप कम्पनी विधि में क्या परिवर्तन का सुझाव देना चाहेंगे ?

8. Write notes on any **two** of the following

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

(a) Kinds of Companies

कम्पनियों के प्रकार

(b) Mis - statement in Prospectus

विवरणिका में अयथार्थ कथन

(c) Conditions for valid allotment of shares

अंशों के वैध आवंटन की शर्तें

(d) Shareholders and members of a company

कम्पनी के अंशधारक एवं सदस्य

Printed Pages : 4

Roll No.....

L/Sem II/113

**LL.M.(General) (Semester II)
Examination, 2015-16**

Law

(Group D : Crimes)

Paper : LLMD - 453 : (Paper-III)

**Crimes against Social and Economic Security
and Problems of the Control**

Time : Three Hours

Full Marks : 70

*(Write your Roll No. at the top immediately on the
receipt of this question paper)*

Note: Answer any **four** questions. **All** questions
are of equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक
समान हैं।

1. Socio-economic crimes pose greater challenge before the social institutions. Critically discuss the nature of socio economic crimes and their impact on society and state.

सामाजिक-आर्थिक अपराध सामाजिक प्रतिष्ठानों के समक्ष
गम्भीर चुनौती उत्पन्न करते हैं। सामाजिक-आर्थिक अपराधों
की प्रकृति तथा इसका समाज एवं राज्य पर पड़ने वाले
प्रभाव का आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।

P.T.O.

2. "When money becomes the dominant measure and marker of prestige, money attains strong crime inducing effect". In the light of this statement analyze causes of socio -economic crimes.

"जब धन प्रतिष्ठा का प्रभावी मानदण्ड एवं चिन्हक बन जाता है तब धन अपराध के प्रति अभिप्रेरित करने वाला उत्कृष्ट प्रभाव प्राप्त कर लेता है।" इस कथन के आलोक में सामाजिक - आर्थिक अपराधों के कारित होने के कारणों का विश्लेषण कीजिये।

3. Critically discuss the changes made in the traditional criminal liability rule to tackle the problem of socio- economic criminality of incorporated bodies.

निगमित निकायों के सामाजिक - आर्थिक आपराधिकता का सामना करने के लिये परम्परागत आपराधिक दायित्व के सिद्धान्त में किये गये परिवर्तनों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिये।

4. Sutherland's formulation of white - collar crime evoked a new thinking regarding criminal and crime. Critically discuss Sutherland's concept of white- collar crime and changes it has undergone.

सदरलैण्ड की श्वेत-पोष अपराध की अवधारणा ने अपराधी एवं अपराध के संदर्भ में एक नये विचार को उत्प्रेरित किया। सदरलैण्ड की श्वेत-पोष अपराध की अवधारणा एवं उसमे आये बदलावों का वर्णन कीजिये।

- 5.** Socio-economic crimes are threat to any civil society, therefore, immediate prevention is required. Critically discuss social and legal measures required for prevention of socio-economic crimes in India.

सामाजिक - आर्थिक अपराध किसी भी सभ्य समाज के लिये खतरा है, अतः तत्काल निवारण आवश्यक है। भारत में सामाजिक-आर्थिक अपराधों के निवारण के लिये आवश्यक सामाजिक एवं विधिक उपायों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिये।

- 6.** "violence which is dowry related is viewed in a special light. Special protective laws are enacted in the form of SS.304-B and 498-A of IPC. Even after that cases of dowry related violence are increasing alarmingly." Critically examine the reasons of failure of legislative provisions.

दहेज से सम्बन्धित हिंसा को विशिष्ट आलोक में विचारित किया जाता है। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304-B एवं 498-A में विशिष्ट संरक्षण विधियों का निर्माण किया गया है। इसके उपरान्त भी दहेज सम्बन्धित मामलों में भयानक ढंग से वृद्धि हो रही है। विधिक प्रावधानों की असफलता के कारणों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

7. What is dowry ? Critically analyse extent of liability for the offence of demanding taking and giving dowry under Dowry Prohibition Act, 1961.

दहेज क्या है ? दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत दहेज माँगने, लेने तथा देने के अपराधों हेतु दायित्व की सीमा की आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।

8. Write critical note on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखिये :

- (a) Social factors of Dowry Problem.

दहेज समस्या के सामाजिक कारक

- (b) Offence of non transfer of Dowry

दहेज हस्तांतरित न करने का अपराध

- (c) Applicability of principle of mensrea in socio-economic crimes.

सामाजिक-आर्थिक अपराधों में दुराशय के सिद्धान्त की प्रयोजनीयता ।

Printed Pages : 4

Roll No.....

L/Sem II/112

**LL.M.(General) (Semester II)
Examination, 2015-16**

Law

(Group D : Crimes)

Paper : LLMD-452: (Paper - II)

Criminal Law in India

Time : Three Hours

Full Marks : 70

*(Write your Roll No. at the top immediately on the
receipt of this question paper)*

Note: Answer any **four** questions. **All** questions
are of equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजियें। सभी प्रश्नों के
अंक समान हैं।

1. Guilty act (actus reus) is not limited only to willed muscular movement rather it also included state of affairs.

Elaborate the above statement.

आपराधिक कार्य ऐच्छिक मांसपेशीयों का संचलन मात्र नहीं
है बल्कि इसमें परिस्थितियों का समुच्चय भी अन्तर्विष्ट है,
उपरोक्त अभिकथन को विस्तारित कीजियें।

P.T.O.

2. 'The mental element assumes paramount importance in attempt'. In the light of this statement, discuss theories developed by the courts in distinguishing attempt from mere preparation to commit offence.

'प्रयत्न में मनः स्थिति का तत्व परम महत्व का स्थान ग्रहण करता है।' इस अभिकथन के आलोक में प्रयत्न को अपराध कारित करने की तैयारी मात्र से विभेदित करने के लिये न्यायालयों द्वारा प्रतिपादित विभिन्न सिद्धान्तों की विवेचना कीजिये।

3. 'All serious offence ought to be offences of mens rea.' In this backdrop, discuss the area in which principle of strict liability has been applied by the court.

'सभी गंभीर अपराधों को आपराधिक मनःस्थिति बाते, अपराध होने चाहिये।' इस पृष्ठभूमि में उन क्षेत्रों की विवेचना कीजिये जहाँ न्यायालय द्वारा कठोर दायित्व सिद्धान्त को लागू किया गया है।

4. Is right of private defence under the Indian penal code too wide? Explain. Discuss the proposal of the law commission of England for the extension of right of private and public defence.

क्या भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार अतिविस्तृत है? स्पष्ट कीजिये। इंग्लैण्ड में प्राइवेट एवं लोक प्रतिरक्षा के विस्तार क्षेत्र को बढ़ाने में विधि आयोग के प्रस्तावों की विवेचना कीजिये।

5. Culpable homicide and murder closely resemble to each other but there is subtle and distinct difference between them. Elaborate the statement.

आपराधिक मानव वध एवम् हत्या एक दूसरे के काफी सादृश्य है किन्तु उनके मध्य अन्तर सूक्ष्म एवम् स्पष्ट है। इस अभिकथन को विस्तारित कीजिये।

6. Discuss the historical development of law of sedition in India. Do you think that law of sedition in India is in violations of freedom of speech and expression given in the Constitution?

भारत में देशद्रोह अपराध के ऐतिहासिक विकास की विवेचना की जिये। क्या आप समझते हैं कि भारत में देशद्रोह विधि संविधान में प्रदत्त वाक् एवम् अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है ?

7. The interpretation of offences against marriage favours the patriarchal notions . Discuss the statement in the light of relevant provisions of the Indian Penal code, 1860

विवाह के प्रति अपराधों का निर्वचन पितृसत्तात्मक धारणा का पक्ष लेती है। भारतीय दण्ड संहिता 1860 के सुसंगत प्रावधानों के आलोक में इस अभिकथन की विवेचना कीजिये।

8. Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखियें :

(a) Ignorantia juries non excusat

विधि की भूल कम्य नहीं

(b) Superior order

वरिष्ठ का समादेश

(c) Necessity : A Defence

आवश्यकता एक रक्षा

Printed Pages : 4

Roll No.....

L/Sem II/111

**LL.M. (General) (Semester II)
Examination, 2015-16**

Law

(Group D : Crimes)

Paper : LLMD-451 : (Paper -I)

Criminology and Penology

Time : Three Hours

Full Marks : 70

*(Write your Roll No. at the top immediately on the
receipt of this question paper)*

Note: Answer any four questions All questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. 'Criminology is a science which studies violations of criminal code in society' Discuss.
Do you subscribe to the view that the above statement is wide enough to address the issues of victims as well ?

'अपराधशास्त्र एक विज्ञान है जो समाज में अपराध संहिता के उल्लंघन का अध्ययन करता है।' विवेचना कीजिये।
क्या आप इस मत का समर्थन करते हैं कि उपरोक्त अधिकथन पीड़ियों के मुद्दों को भी सम्बोधित करने के लिये पर्याप्त रूप से विस्तृत है ?

P.T.O.

2. 'Structure determines the function'. Discuss biological approach of criminology.

'संरचना कार्य का निर्धारण करती है'। अपराधशास्त्र के जैविकीय दृष्टिकोण की विवेचना कीजिये।

3. 'Criminal behaviours is a normal learned behaviour.' Elaborate the statement.

'आपराधिक व्यवहार एक सामान्य सीखा गया व्यवहार है।' इस अभिकथन को विस्तारित कीजिये।

4. 'Prison is not only a place for detention of convicts but it is for their reformation 'as well.' Do you agree to this statement?

'कारागार मात्र अपराधियों को निरुद्ध करने का स्थान ही नहीं बल्कि उनके सुधार के लिये भी है।' क्या आप इस अभिकथन से सहमत हैं?

5. The justification for punishment is linked with the development of society. In this backdrop discuss the justification for impositions of punishment.

दण्ड का औचित्य समाज के विकास के सम्बद्ध है। इस पृष्ठभूमि में दण्डाधिरोपण के औचित्यों की विवेचना कीजिये।

6. 'Victimology is the reverse of criminology'.

Discuss various legal efforts in ameliorating the conditions of victims.

'अपराधशास्त्र का प्रतिलोम पीड़ितशास्त्र है।' पीड़ितों की स्थिति में सुधार के लिये किये गये विभिन्न विधिक उपायों की विवेचना कीजिये।

7. Death penalty is a peculiar institution implying continuity between state execution and slavery.

Discuss the arguments in favour of and against, the imposition of death sentence. Do you think that the Supreme Court of India has reduced the chances of imposition of death sentence?

मृत्युदण्ड एक अनूठी संस्था है जो राज्य द्वारा फौंसी और दासप्रथा के मध्य निरंतरता घनित करता है। मृत्युदण्ड के पक्ष एवम् विपक्ष में तकों की विवेचना कीजिये। क्या आप सहमत हैं कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मृत्युदण्ड अधिरोपण की सम्भावनाओं को निर्बल कर दिया है?

8. Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये:

(a) Contribution of Beccaria

बैकारिया का योगदान

(b) Probation

परिवेक्षा

(c) Rights of Prisoners

बन्दियों के अधिकार

Roll No.

LL.M. (GENERAL) SEMESTER II EXAMINATION 2015-16**LAW***(Compulsory Paper)***LLM - 421 : Legal Education and Research Methodology****Time : Three hours****Max. Marks : 70****(WRITE YOUR ROLL NO. AT THE TOP IMMEDIATELY ON THE RECEIPT OF THIS QUESTION PAPER)****NOTE : ANSWER ANY FOUR QUESTIONS. ALL QUESTIONS CARRY EQUAL MARKS.****किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**

1. "Lecture method of Law teaching inhibits creativity, restricts dialogue and treats law students as an object." Critically evaluate this statement.
"विधिक शिक्षा की व्याख्यान पद्धति रचनात्मकता को रोकती है, संवाद में बाधा डालती है और विद्यार्थियों से एक वस्तु के रूप में बर्ताव करती है।" इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।
2. Research is, "A careful investigation or inquiry especially through search for new facts in any branch of Knowledge." Explain. Discuss also the aim and importance of research.
"शोध ज्ञान के किसी भी विषय में सावधानीपूर्वक की गई जाँच पड़ताल या जिज्ञासा द्वारा नये तथ्यों का अन्वेषण है।" समझाइये। शोध के लक्ष्य एवं महत्व की विवेचना कीजिये।
3. "Identification and formulation of a Research Problem is the important and starting phase of research." Discuss. What factors must be taken into account when a Research Problem is formulated? Explain.
"शोध समस्या की पहचान एवं विनिश्चयन शोध का महत्वपूर्ण एवं प्रारम्भिक चरण है।" विवेचना कीजिये। शोध—समस्या के विनिश्चयन हेतु किन कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिये? समझाइये।
4. Define doctrinal legal research. What are the aims and main tools of doctrinal legal research? Explain. What are its advantages and limitations? Explain.
सैद्धान्तिक विधिक शोध को परिभासित कीजिये। सैद्धान्तिक विधिक शोध के लक्ष्य एवं इसके मुख्य उपकरण क्या हैं? समझाइये। इसके लाभ एवं सीमाएँ क्या हैं? समझाइये।
5. Write critical notes on any two of the following:
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखिये :
 - a) Discussion method of legal teaching.
विधिक शिक्षा की विचार—विमर्श पद्धति।
 - b) Lay-out of Research report.
शोध प्रतिवेदन की रूप—रेखा (प्रमुख चरण)।
 - c) Problems of Researchers in India.
भारत में एक शोधार्थी की समस्याएं।

6. What do you mean by Hypothesis in research? Explain. What are the main features of a workable hypothesis? Explain.
 शोध में परिकल्पना से आप क्या समझते हैं? समझाइये। एक व्यावहारिक परिकल्पना के क्या अभिलक्षण हैं? समझाइये।
7. Define non-doctrinal or empirical method of legal research. What are its advantages and limitations? Discuss.
 विधिक शोध की अनुभवाश्रित पद्धति को परिभाषित कीजिये। इसके लाभ एवं सीमाएँ क्या हैं? विवेचना कीजिये।
8. Write critical notes on any two of the following :
 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखिये :
 a) Criteria of good research
 उत्तम शोध के मानक
 b) Bibliography
 संदर्भ ग्रंथ—सूची
 c) Ills of present day examination system
 वर्तमान शिक्षा पद्धति की विकृतियाँ

Roll No.

LL.M. (GENERAL) SEMESTER II EXAMINATION 2015-16**LAW***(Group H : Business Administration)***LLMH - 452 : (Paper - II) : Business Management (Company Management & Administration)****Time : Three hours****Max. Marks : 70****(WRITE YOUR ROLL NO. AT THE TOP IMMEDIATELY ON THE RECEIPT OF THIS QUESTION PAPER)****NOTE : ANSWER ANY FOUR QUESTIONS. ALL QUESTIONS CARRY EQUAL MARKS.****किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**

1. "Directors are described sometimes as agents, sometimes as trustees and sometimes as managing partners. Each of these expressions indicate useful point of view." In the light of this statement discuss the legal position of directors of a company.
"निदेशक कभी अधिकारी के रूप में, कभी न्यासी के रूप में और कभी प्रबंधक भागीदार के रूप में वर्णित किये जाते हैं। प्रत्येक अभिव्यक्तियां उपयोगी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।" इस कथन के आलोक में कम्पनी निदेशकों के विधिक स्थिति की विवेचना कीजिये।
2. "In the changed economic scenario, company secretary has acquired enormous powers and he plays an important role in administration of a company." In the light of above discuss the legal position of a company secretary.
"बदले हुये आर्थिक परिदृश्य में कम्पनी सचिव ने प्रभूत शक्तियां प्राप्त कर ली हैं तथा कम्पनी के प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।" उक्त के आलोक में कम्पनी सचिव के विधिक स्थिति की विवेचना कीजिये।
3. "An investigation is necessary to discover something which is not apparently visible to the naked eye." In the light of above analyse the circumstances in which order for investigation may be given.
"अन्वेषण कुछ तथ्यों को खोजने के लिये आवश्यक है जो सामान्य दृष्टि से दृश्य नहीं है।" उक्त के आलोक में उन परिस्थितियों का विश्लेषण कीजिये जिनमें अन्वेषण का आदेश दिया जा सकता है।
4. Discuss the composition, powers and procedures of National Company Law Tribunal. Discuss the law relating to appeal against the order of tribunal.
राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकारण के गठन, शक्तियों एवं प्रक्रिया की विवेचना कीजिये। अधिकारण के आदेश के विरुद्ध अपील संबंधी नियमों की विवेचना कीजिये।
5. "The rule of majority has left the minority members unprotected except in few circumstances." In the light of above discuss the provisions of Companies Act which protect the minority members in case of oppression and mismanagement.
"बहुमत के नियम ने कुछ परिस्थितियों को छोड़कर अल्पसंख्यक सदस्यों को असुरक्षित छोड़ दिया है।" उक्त के आलोक में अन्यायपूर्ण आचरण एवं कुप्रबंध के मामले में अल्पसंख्यक सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करने वाले कम्पनी अधिनियम के प्रावधानों की विवेचना कीजिये।

6. Enumerate different kinds of meetings of a company and explain the procedure of calling such meetings. Under what circumstances, it becomes mandatory to call extra ordinary general meeting of a company? Discuss.
 कम्पनी के विविध प्रकार के अधिवेशनों को प्रगणित कीजिये और इन अधिवेशनों को आहूत करने की प्रक्रिया को विवेचना कीजिये। किन परिस्थितियों में असाधारण सामान्य अधिवेशन आहूत करना बाध्यकारी हो जाता है? विवेचना कीजिये।
7. The division of powers between company in general meeting and board of directors has been a controversial issue since a long time. What attempts have been made by the Companies Act in India to resolve the controversy?
 कम्पनी के सामान्य अधिवेशन तथा निदेशक मण्डल के बीच शक्तियों का विभाजन लम्बे समय से विवाद का विषय रहा है। इस विवाद का समाधान करने के लिये भारत में कम्पनी अधिनियम द्वारा क्या प्रयास किये गये हैं?
8. Write short notes on any two of the following :
 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :
 a) Appointment of directors
 निदेशकों की नियुक्ति
 b) Remuneration of directors
 निदेशकों का पारिश्रमिक
 c) Officer's in default
 व्यतिक्रम के दोषी अधिकारी
